आम COVID-19 वैक्सीन मिथकों के बारे में वास्तविक तथ्य।



COVID-19 वैक्सीन के बारे में बहुत सारी जानकारी अब उपलब्ध है। उसमें से बहुत सी सही नहीं है। तथ्यों को जानें और स्वस्थ रहें।

मिथक: COVID-19 वैक्सीन सुरिक्षित नहीं हैं क्योंकि इन्हें बहुत जल्दी बनाया गया था। तथ्य: वैक्सीन वैज्ञानिक रूप से सुरिक्षित और प्रभावी साबित हुई है।

COVID-19 वैक्सीन खाद्य और औषधि प्रशासन (Food and Drug Administration, FDA) से प्राधिकरण प्राप्त करने के लिए नैदानिक परीक्षणों और सुरक्षा समीक्षाओं से गुजरी है। Pfizer वैक्सीन नैदानिक परीक्षणों में 40,000 से अधिक और Moderna परीक्षणों में 30,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

मिथक: COVID-19 वैक्सीन वास्तव में गंभीर दुष्प्रभावों और एलर्जी प्रतिक्रियाओं का कारण बनता है। तथ्य: अन्य वैक्सीनों की तरह, इस वैक्सीन के सौम्य दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

सबसे आम दुष्प्रभावों में थकान, सिरदर्द, इंजेक्शन लगाए गए भाग के आसपास दर्द या उसका लाल होना, और मांसपेशियों या जोड़ों का दर्द शामिल हैं। हालांकि यह दुष्प्रभाव तकलीफदेह होते हैं, ये सभी संकेत होते हैं कि आपका शरीर COVID-19 का कारण बनने वाले वायरस से खुद को बचाने के लिए काम कर रहा है। जिन लोगों को इस वैक्सीन के घटकों से गंभीर एलर्जी प्रतिक्रियाएं हो चुकी है उन्हें वैक्सीन नहीं लगवाना

मिथक: मैं COVID-19 से होने वाली गंभीर बीमारी के जोखिम पर नहीं हूं, इसलिए मुझे वैक्सीन की आवश्यकता नहीं है। तथ्य: आपके जोखिम के स्तर से कोई फर्क नहीं पड़ता है, आप अभी भी संक्रमित हो सकते हैं और वायरस को फैला सकते हैं। एक बार जब वैक्सीन व्यापक रूप से उपलब्ध हो जायेगा, तो यथासंभव पात्र वयस्कों को वैक्सीन लगाने से हमारे समुदायों को वायरस से बचाने में मदद मिलेगी - इसे हर्ड इम्युनिटी भी कहा जाता है।

मिथक: मैं वैक्सीन से COVID-19 संक्रमित हो सकता हूँ। तथ्य: आप वैक्सीन से COVID-19 संक्रमित नहीं हो सकते। किसी भी अनुमोदित COVID-19 वैक्सीन में जीवित वायरस का उपयोग नहीं किया जाता है। वैक्सीन में ऐसा कुछ भी नहीं है जो COVID-19 का कारण बन सकता है। Pfizer और Moderna वैक्सीन एमआरएनए (mRNA) का उपयोग करते हैं, जिसका अर्थ है मैसेंजर राइबोन्यूक्लिक एसिड (mRNA)। mRNA हमारी कोशिकाओं को हमारे शरीर में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का कारण बनने वाले प्रोटीन को कैसे बनाया जाए यह सिखाता है। अगर असली वायरस हमारे शरीर में प्रवेश करता है तो एंटीबॉडी का उत्पादन करने वाली वह प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया हमें संक्रमित होने से बचाती है।



चाहिए।



मिथक: COVID-19 वैक्सीन मेरे डीएनए या आनुवंशिक रचना को बदल सकता है। तथ्य: वैक्सीन किसी व्यक्ति के डीएनए या आनुवंशिक रचना को नहीं बदल सकता। वैक्सीन में मौजूद एमआरएनए (mRNA) किसी भी तरह से आपकी आनुवंशिक सामग्री को कभी भी प्रभावित या उसके साथ अंत:क्रिया नहीं करता है। 1-2 सप्ताह के बाद शरीर mRNA से मृक्त हो जाता है।

मिथक: वैक्सीन में mRNA का उपयोग करना एक नई तकनीक है जिसके बारे में हम कम जानते हैं। तथ्य: वैज्ञानिक दशकों से वैक्सीनों में mRNA का उपयोग करने के बारे में अध्ययन करते आ रहे हैं।

मिथक: मैं पहले ही COVID-19 संक्रमित हो चुका हूं, इसलिए मुझे वैक्सीन लगवाने की आवश्यकता नहीं है।

तथ्यः आपको वैक्सीन लगवाना चाहिए, भले ही आप COVID-19 संक्रमित हो चुके हों। विशेषज्ञ यह नहीं जानते कि संक्रमण से बनी एंटीबॉडीज पुनः संक्रमण से बचा सकती हैं या नहीं। आपके लक्षण रुकने के बाद और आपके अनुशंसित आईसोलेशन की अविध समाप्त होने के बाद आप वैक्सीन लगवा सकते हैं।

मिथक: वैक्सीन लोगों पर ट्रैकिंग माइक्रोचिप्स का प्रत्यारोपण करता है।

तथ्यः वैक्सीन में कोई ट्रैकिंग साधन नहीं हैं। वैक्सीन में कोई माइक्रोचिप्स या ट्रैकिंग साधन नहीं हैं। यह मिथक वैक्सीनों में माइक्रोचिप्स के मौजूद होने के बारे में झूठे दावों के साथ इंटरनेट पर शुरू हुआ था। मिथक: अगर मुझे अंडों से एलर्जी है, तो मैं COVID-19 वैक्सीन नहीं लगवा सकता/सकती हूं। तथ्य: COVID-19 वैक्सीन में अंडे नहीं होते हैं।

मिथक: COVID-19 वैक्सीन भ्रूण की कोशिकाओं से बनाया गया है।

तथ्य: वैक्सीन में भ्रूण की कोशिकाएं नहीं हैं। वैक्सीन के घटकों में एमआरएनए (mRNA), नमक का पानी, अमाइन्स और चीनी शामिल हैं।

मिथक: एक बार COVID-19 वैक्सीन लगवाने के बाद, मुझे मास्क पहनने की आवश्यकता नहीं है। तथ्य: वैक्सीन लगवाने के बाद आपको मास्क पहनना और सामाजिक दूरी बनाए रखना जारी रखना होगा।

यदि आप वैक्सीन लगवा भी लेते हैं, तब भी आपको सभी COVID-19 सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। वैक्सीन आपको COVID-19 से बीमार होने से बचाता है, लेकिन विशेषज्ञ यह नहीं जानते कि उसके बाद भी आपके शरीर में वायरस मौजूद होता है या नहीं और आप दूसरों को संक्रमित कर सकते हैं या नहीं।



